वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 233 | शनिवार 20 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने अनुसूचित जनजातियों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं और समस्याओं के सम्बन्ध में ली विशेष बैठक

हॉस्टल और आवासीय विद्यालयों का उपयोग अन्य प्रयोजन के लिए नहीं हो: बागड़े

जनजातीय क्षेत्र आवंटित बजट राशि का पारदर्शिता से समुचित उपयोग सुनिश्चित हो

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को लोकभवन में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं और समस्याओं के सम्बन्ध में अधिकारियों की विशेष बैठक ली। इस दौरान उन्होंने आदिवासी विकास से जुड़ी योजनाओं के बारे में बिंदुवार जानकारी ली और अधिकारियों को व्यक्तिगत रूचि लेकर जनजातीय क्षेत्रों की समस्याओं का निराकरण करने के व्यावहारिक प्रयास करने और विभिन्न मदों में आवंटित बजट राशि का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बैठक में सख्त लहजे में स्पष्ट कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में संचालित हॉस्टल और आवासीय विद्यालयों की अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें। इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने आदिवासी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित हॉस्टल का उपयोग अन्य राजकीय कार्य के लिए किए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा प्रसार हमारी प्राथमिकता बने। राज्यपाल ने आदिवासी क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं में आवंटित बजट का उपयोग पारदर्शिता से किए जाने के भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने हर घर जल, धरती आबा, आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति योजनाओं की मॉनिटरिंग किए जाने और योजनाओं का समय-समय पर सामाजिक अंकेक्षण करवाए जाने की भी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में रुचि, उन्हें भविष्य में कौशल विकास की योजनाओं से लाभान्वित करने, कोचिंग सुविधाओं के अंतर्गत अच्छे से लाभान्वित किए जाने पर भी जोर दिया। बागड़े ने जनजातीय क्षेत्रों में पदस्थापित जिला कलक्टरों से बैठक में वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए संवाद किया। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर आदिवासी योजनाओं के क्रियान्वयन में विशेष रुचि ले। हरेक योजना का स्वयं के स्तर पर निगरानी करें। निर्धारित लक्ष्य पूर्ति, कागजी कार्यवाही की बजाय वास्तविकता में जनजातीय लोगों को लाभ कैसे मिले, इसे सुनिश्चित करें, आदिवासी क्षेत्रों के विद्यालयों, वहां के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक विद्यार्थियों को अपनी संतान मानते हुए शिक्षा प्रदान करें।

कौशल विकास के लिए भी प्रयास किए जाएं

राज्यपाल ने जन-धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों, 'हर घर जल' के तहत लाभान्वित परिवारों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत कृषि विकास के लिए किए कार्यों, हर गांव में पक्की सड़क निर्माण की प्रगति, गांवों में आरोग्य सेवाओं की स्थिति, आयुष्मान भारत योजना आदि के बारे में भी विशेष जानकारी ली। बागड़े ने आदिवासी क्षेत्रों में उद्यमिता और कौशल विकास के लिए भी प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पति उत्पादों का प्रभावी विपणन किया जाए। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने आदिवासी कल्याण के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई। अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा ने आदिवासी योजनाओं के अंतर्गत हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने जनजातीय क्षेत्रों के अधिकारियों को स्वयं योजनाओं की पूरी जानकारी रखने और उनके समयबद्ध क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आदिवासी क्षेत्रों के विकास के अंतर्गत सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े विभागों की स्वयं मॉनिटरिंग करें। माणिक्य लाल शोध संस्थान के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्रों में शोध योजनाओं के लिए आदिवासी युवाओं को प्रोत्साहित किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनजाति क्षेत्र विकास विभाग का दायित्व केवल जनजातीय विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं है बल्कि जनजातीय क्षेत्र के समग्र विकास की जवाबदेही जिला प्रशासन से जुड़े अधिकारियों की भी है। उन्होने केंद्र और राज्य सरकार के विकास लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया है।

णमोकार महामंत्र संचालन समिति जयपुर द्वारा जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

समिति के पूर्व अध्यक्ष रतन लाल कोठारी ने बताया कि आर्यिका शिरोमणि गणनी प्रमुख श्री 105 ज्ञानमति माताजी द्वारा 8 अक्टूबर 1995 व तत्कालीन अध्यक्ष विमल कुमार सोगाणी द्वारा माताजी द्वारा प्रवर्तित समवशरण रथ यात्रा के समय 1999 में स्थापित णमोकार महामंत्र संचालन समिति के वर्तमान अध्यक्ष हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले- ने बताया कि जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह दिनांक 14/12/ 25 रविवार प्रातः 9.30 बजे श्री महावीर साधना संस्थान, अहिंसा पथ महावीर नगर में न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्रेष्ठी महावीर कुमार - उषा गोदिका ने चित्र अनावरण कर भगवान महावीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। श्राविका श्रीमती मंजू जैन सेवा वाले, श्रीमती सन्तोष चान्दवाड ने सुन्दर मंगलाचरण कर समारोह की शुरूआत की। तब उपस्थित सभी जाप्य लेखकों ने सस्वर णमोकार महामंत्र का पाठ किया। समिति के मंत्री महावीर कुमार चान्दवाड ने उपस्थित सभी जाप्य लेखकों, दानदाताओं का स्वागत - अभिनन्दन किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जैन, महावीर साधना संस्थान के सभी पदाधिकारियों के साथ संस्थान के मंत्री सुरेश कुमार जैन, चित्र अनावरण दीप प्रज्ज्वलन कर्ता महावीर कुमार - उषा गोदिका व उनका परिवार, मुख्य अतिथि विद्या प्रमाण रियल्टी के विनोद कुमार विभोर कुमार छाबडा, विशिष्ट अतिथि पवन कुमार - गुणमाला लुहाडिया रायथल वाले, सहयोगी विजय कुमार विनोद कुमार वेद, श्रीमती चन्दकान्ता ध प इन्द्र चन्द जैन, जैन पत्रकार संघ के सम्मानीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के सम्मानीय राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान, विशिष्ट सहयोगी प्रमोद कुमार रितेश छाबडा, माईक प्रदाता कमल चन्द गोदिका मूर्धन्य विद्वान राजेश गंगवाल का तिलक माल्यार्पण के साथ प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में हीरक पदक 39 , स्वर्ण- 93, व रजत 187 कुल 319 जिन्होंने एक करोड़ 46 लाख 18 हजार णमोकार महामंत्र का लेखन कर जाप्य पुस्तिकाएं जमा कराई है, को पंडित गुलाब चन्द सुभाष चन्द गंगवाल की ओर से भेंट किये गए प्रतीक चिह्न व हस्तिनापुर से प्राप्त प्रमाण पत्र दिये जाकर सम्मानित किया गया। जाप्य पुस्तिकाएं उपलब्ध कराने वाले व कार्यक्रम में सहयोगी रहे श्रावकों को भी सम्मानित किया गया। विद्वान पंडित राजेश कुमार गंगवाल द्वारा 84 लाख मंत्रो के जनक णमोकार महामंत्र के महात्म्य को विस्तृत रूप से समझाया। समिति के उपाध्यक्ष बाबूलाल जैन के अनुसार जाप्य लेखकों द्वारा अब तक एक अरब 46 करोड़ 18 लाख मंत्र लिखे जा चुके हैं। समिति के अध्यक्ष हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले- ने उपस्थित सभी अतिथियों, दानदाताओं, प. राजेश गंगवाल, प्रेरकों व जाप्य लेखकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। **प्रेषकः महावीर कुमार चान्दवाड मंत्री**

तेल की बूंद को झूठ का पानी कभी डूबो नहीं सकता: अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि सत्य को तलवार काट नहीं सकती, जहर मार नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती। सत्य को पैसा खिलाकर दबा भी नहीं सकते। मौन सत्य है, झूठ सत्य का जामा पहनकर डांस कर रहा है, आखिर कब तक? एक व्यक्ति जान बचाकर भागते भागते आया और सन्त के चरण में बैठ गया। बोला गुरूदेव - मेरे पीछे तीन बदमाश नंगी तलवार लेकर मारने आ रहे हैं। आप जीवन दान दो। सन्त ने कहा - वो सामने रूई का ढ़ेर लगा है, उसमें छिप जाओ, वह जाकर छिप गया। उतने में वो बदमाश आ गये। सन्त से पूछा - महात्मा जी, यहाँ कोई व्यक्ति आया क्या- ? सन्त ने कहा - हाँ आया था। बदमाश ने पूछा कहाँ है वो- ? सन्त ने कहा - वो रूई के ढ़ेर में छिपा है। बदमाश बोले- सन्त श्री आप भी मजाक करते हैं। रूई के ढ़ेर में वो क्यों छिपेगा- ? सन्त ने कहा - वहीं छिपा है। वे बदमाश, सन्त को भला बुरा कहते हुये चले गये। जैसे ही बदमाश गये - वह व्यक्ति बाहर आया और सन्त से बोला - आप बड़े ढोंगी सन्त महात्मा हो। आपने हमको छिपा भी दिया और बदमाशों को बता भी दिया। आप तो मेरी जान से खिलवाड़ कर रहे थे। तब सन्त ने कहा - अरे भाई! हमने तुम्हें रूई से नहीं ढका था, मैंने तुम्हें सत्य से ढका था। सत्य पर कोई तलवार - वार नहीं कर सकती। तुम छिपे थे, ये सत्य है। हमने छिपाया, ये भी सत्य है। हमने कहा - वहाँ छिपा है, ये भी सत्य है क्योंकि हमने तुम्हें रूई से नहीं, सत्य से ढका था और वह सत्य इतना मजबूत था कि उन बदमाशों को भरोसा ही नहीं हुआ। वो उसे रूई का ढ़ेर समझ रहे थे और मैं सत्य देख रहा था। जो सत्य का जीवन जीते हैं, वही सन्त होते हैं... !!!

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

प्यार: पाने की नहीं, निभाने की कला

प्यार कोई वस्तु नहीं है जिसे पाया जाए, बल्कि यह एक भाव है जिसे जिया और निभाया जाता है। आज के समय में अक्सर प्यार को अधिकार, अपेक्षा या लाभ से जोड़कर देखा जाने लगा है, जबकि सच्चा प्रेम इन सबसे परे होता है। वह न मांगता है, न शर्तें रखता है—बस समर्पण और संवेदना चाहता है। प्यार की शुरूआत आकर्षण से हो सकती है, पर उसकी परिपक्वता त्याग, धैर्य और समझ से होती है। जो प्रेम केवल पाने की इच्छा से किया जाए, वह स्वार्थ बन जाता है; और जो निभाने की भावना से किया जाए, वही सच्चा प्रेम कहलाता है। प्रेम में सबसे बड़ी परीक्षा तब आती है जब सामने वाला हमारे अनुसार न हो—उसी समय उसे स्वीकार करना ही प्रेम की असली पहचान है। निभाने की कला का अर्थ है—साथ खड़े रहना, केवल सुख में नहीं बल्कि संघर्ष के क्षणों में भी। प्रेम तब और गहरा होता है जब हम सामने वाले की कमजोरियों को समझते हैं, उन्हें बदलने की ज़िद नहीं करते, बल्कि सहारा बनते हैं। शिकायतों के स्थान पर संवाद, और अपेक्षाओं के स्थान पर विश्वास—यही प्रेम को स्थायी बनाते हैं। प्यार अधिकार नहीं देता, बल्कि जिम्मेदारी सिखाता है। वह सामने वाले को बाँधता नहीं, बल्कि स्वतंत्रता देता है। जहाँ प्रेम है, वहाँ सम्मान स्वत: आता है; और जहाँ सम्मान नहीं, वहाँ प्रेम केवल भ्रम बनकर रह जाता है। पारिवारिक रिश्तों में, दांपत्य जीवन में, मित्रता में या समाज के प्रति—हर जगह प्रेम निभाने से ही फलता-फूलता है। माँ का नि:स्वार्थ स्नेह, पिता का मौन त्याग, जीवनसाथी का धैर्य और मित्र का साथ—ये सभी प्रेम निभाने के ही रूप हैं। अंतत: प्रेम वही है जो बिना दिखावे के, बिना शोर के, निरंतर चलता रहे। जो हमें बेहतर इंसान बनाए, अहंकार को गलाए और करुणा से भर दे। इसलिए प्रेम को पाने की चाह छोड़कर, उसे निभाने की कला सीखना ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

अनिल माथुर: ज्वाला-विहार, जोधपुर

परम वंदनिय आर्यिका माता जी पुर्णमंती को अष्टापद बद्रीनाथ के लिए निवेदन किया

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

इस वर्ष दिल्ली में चातुर्मास रत परम वंदनिय आर्यिका माता पुर्णमंती जी वर्तमान में शाहदरा अशोक नगर दिल्ली में विराजित। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू के अनुसार पूज्य माता श्री पूर्णमति माताजी को अष्टापद बद्रीनाथ यात्रा के लिए बद्रीनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री आदित्य कासलीवाल महामंत्री कीर्ति पांड्या एवं ट्रस्टी विजय काला ने श्रीफल भेंट कर तीर्थ राज अष्टापद बद्रीनाथ में आर्यिका माता जी संसघ का मंगलमय मंगल प्रवेश हो यंही मंगल भावना भाते हुए चर्चा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

वेद ज्ञान

पांच मंत्र, जो आपको सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं

श्रीकृष्णचंद्र भट्ट

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में जीवन को संतुलित और संस्कारित बनाने के लिए अनेक सिद्धांत दिए गए हैं। योग दर्शन में पांच यम और पांच नियम बताए गए हैं, जैन परंपरा में पांच महाव्रतों का विधान है और बौद्ध धर्म में पांच शीलों को जीवन का आधार माना गया है। इन सभी का मूल उद्देश्य व्यक्ति के आचार, विचार और व्यवहार को शुद्ध बनाकर उसे आत्मिक और सामाजिक रूप से उन्नत करना है। हालांकि आज के व्यस्त और प्रतिस्पर्धात्मक दौर में इन सिद्धांतों का शुद्धतम रूप में पालन करना हर व्यक्ति के लिए आसान नहीं रह गया है। बदलती जीवनशैली, समय की कमी और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच आदर्शों और व्यवहार में संतुलन बैठाना एक चुनौती बन चुका है। ऐसे में आवश्यकता है कि हम इन पारंपरिक मूल्यों को उनके व्यावहारिक और सरल स्वरूप में अपने जीवन में उतारें। इसी दृष्टि से यदि पंचयम, पंचनियम या पंचशील को आधुनिक संदर्भों में समझा जाए, तो उन्हें पांच व्यावहारिक जीवन-मंत्रों के रूप में अपनाया जा सकता है। ये मंत्र न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक हैं, बल्कि सामाजिक और व्यावसायिक सफलता की नींव भी मजबूत करते हैं। इन्हें श्रमशीलता, मितव्ययिता, शिष्टता, सुव्यवस्था और सहकारिता के रूप में समझा जा सकता है। सफलता का पहला और सबसे मजबूत आधार परिश्रम है। आज के समय में आरामतलबी और त्वरित परिणाम पाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, लेकिन सच्ची उपलब्धि निरंतर श्रम से ही मिलती है। जब व्यक्ति अपने कार्य को तत्परता, तन्मयता और ईमानदारी से करता है, तो उसका हर प्रयास उसे आगे बढ़ाता है। श्रमशील व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानता और अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ता रहता है। आज के उपभोक्तावादी युग में दिखावे की अमीरी को सफलता का पैमाना मान लिया गया है, जबकि वास्तव में इससे सम्मान नहीं, बल्कि ईर्ष्या और असंतोष ही पैदा होता है।

संपादकीय

मानवता को जोड़ने का आह्वान

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर वर्ष 20 दिसंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2005 में इस दिवस की घोषणा की थी। इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि एकजुटता केवल एक भावनात्मक विचार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य मूल्य है। आज की दुनिया एक विचित्र विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार के साधनों ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गांव में बदल दिया है, वहीं दूसरी ओर समाज में दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ते जा रहे हैं। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस न केवल एक मानवीय मूल्य की याद दिलाता है, बल्कि आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर भी प्रदान करता है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, गरीबी का उन्मूलन हो और मनुष्य को पहले मनुष्य के रूप में देखा जाए, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा या विचारधारा से जोड़ी जाए। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बंटती जा रही है, तब सभी मानव पहले मानव की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। भारतीय चिंतन ने सदियों पहले वसुधैव कुटुम्बकम् का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इसका अर्थ केवल यह नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से आधुनिक विश्व में यह विचार अक्सर केवल नारे तक सीमित रह गया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्धों में निर्दोष बच्चे मारे जाते हैं, आतंक के साए में आम नागरिक भय के साथ जीते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभावग्रस्त जीवन जीने को मजबूर होते हैं। आज के संघर्ष केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, बल्कि विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं के स्तर पर भी हो रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं उग्र राष्ट्रवाद मानवता की कोमल आवाज को दबा रहा है। आतंकवाद इसी विकृत सोच का सबसे भयावह रूप है, जो न धर्म को मानता है और न ही मानवीय मूल्यों को। इतिहास गवाह है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। शांति, संवाद और सह-अस्तित्व ही मानवता की रक्षा का मार्ग हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का एक मूलभूत मूल्य बताया गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

किताबें हैं, मगर पढ़ने का विकल्प नहीं

संजना

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बसे गांव बाहर से शांत और सुंदर दिखाई देते हैं, लेकिन इनके भीतर कई ऐसी समस्याएं छिपी हैं, जिनकी गूंज दूर तक जाती है। ये परेशानियां केवल स्थानीय लोगों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों विशेषकर छात्राओं के भविष्य को भी गहराई से प्रभावित करती हैं। बागेश्वर जिले का पोथिंग गांव इसी सच्चाई का एक उदाहरण है। यहां 12वीं तक की पढ़ाई के लिए राजकीय इंटर कॉलेज मौजूद है, लेकिन दसवीं के बाद विज्ञान विषय पढ़ने के इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए इस कॉलेज के दरवाजे बंद हो जाते हैं। वजह यह है कि कॉलेज में आर्ट्स की पढ़ाई तो होती है, लेकिन विज्ञान विषय उपलब्ध नहीं है। अंजलि, जो इसी गांव की रहने वाली हैं और वर्तमान में कक्षा ग्यारह में पढ़ रही हैं, अपनी कहानी साझा करते हुए बताती हैं कि उन्होंने दसवीं तक की पढ़ाई पोथिंग के इसी स्कूल से की थी। उनके लिए यह स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं था, बल्कि एक ऐसा वातावरण था, जहां शिक्षक और विद्यार्थी एक-दूसरे को समझते थे। लेकिन जैसे ही दसवीं के बाद विज्ञान पढ़ने की बात आई, उन्हें यह स्कूल छोड़ना पड़ा। अंजलि अकेली नहीं हैं। उनके साथ विज्ञान विषय चुनने वाली अन्य लड़कियों को भी दूसरे स्कूलों में दाखिला लेना पड़ा, क्योंकि इस इंटर कॉलेज में विज्ञान की पढ़ाई की सुविधा नहीं थी। ऐसी स्थिति में कई लड़कियां या तो दूर-दराज के स्कूलों में जाने को मजबूर होती हैं या फिर पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। आंकड़े भी इस हकीकत की पुष्टि करते हैं। ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर शहरी इलाकों की तुलना में कहीं अधिक है। दसवीं के बाद उत्तराखंड में लड़कियों की निरंतर शिक्षा में स्पष्ट गिरावट देखी जाती है, जिसके पीछे दूरी, सुरक्षा और विषयों की सीमित उपलब्धता जैसे कारण प्रमुख हैं। अंजलि बताती हैं कि उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए कपकोट क्षेत्र के एक स्कूल में जाना पड़ता है, जो उनके घर से काफी दूर है। रोज सुबह जल्दी निकलना, पैदल लंबा सफर तय करना और शाम को देर से लौटना उनकी दिनचर्या बन चुकी है। कई बार वाहन मिल जाता है, लेकिन कई बार नहीं, और अंधेरा होने तक घर लौटना पड़ता है। पोथिंग गांव में ऐसे कई माता-पिता हैं, जो अपनी बेटियों को घर से दूर पढ़ने भेजने में हिचकिचाते हैं। इसी वजह से कई लड़कियां चाहकर भी आगे पढ़ाई नहीं कर पातीं। अंजलि की दोस्त सोनम जोशी का उदाहरण इस सच्चाई को और गहराई से दिखाता है। सोनम विज्ञान विषय लेना चाहती थीं, लेकिन दूर स्कूल जाने की अनुमति नहीं मिल सकी। नतीजतन, उनकी पढ़ाई रुक गई और उनके सपने अधूरे रह गए। यह समस्या केवल व्यक्तिगत कहानियों तक सीमित नहीं है। पहाड़ी जिलों के कई स्कूलों में माध्यमिक स्तर पर विषयों की उपलब्धता सीमित है। विज्ञान जैसे विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, प्रशिक्षित शिक्षक और अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो कई ग्रामीण विद्यालयों में नहीं हैं। इसी कारण हर साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी या तो स्कूल बदलते हैं या पढ़ाई छोड़ देते हैं। इस इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल विमल कुमार बताते हैं कि स्कूल की शुरूआत आठवीं तक हुई थी। वर्ष 2004 में इसे दसवीं और 2017 में बारहवीं तक का दर्जा मिला, लेकिन दसवीं के बाद केवल आर्ट्स विषय पढ़ाने की अनुमति दी गई। स्कूल में इस समय 60 लड़के और 69 लड़कियां पढ़ रही हैं, जिनमें से कई बच्चों को केवल विज्ञान विषय न होने के कारण स्कूल छोड़ना पड़ता है।

गर्म कोट पाकर 215 बच्चों के चेहरे खिले

अजीत जैन कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका बांसवाड़ा राजस्थान। महावीर इंटरनेशनल माही वीरा केंद्र द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वजवाना में गरम कोट वितरण कार्यक्रम ₹सुकून की सर्दी ₹ प्रकल्प के अंतर्गत किया गया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन 4 की महिला सशक्तिकरण की डिप्टी डायरेक्टर भुवनेश्वरी मालोत ने की ।मुख्य अतिथि ई चोपाल और नॉलेज शेयरिंग के अन्तर्राष्ट्रीय डायरेक्टर अजीत कोठिया थे और केंद्र अध्यक्ष गीता चौधरी विशिष्ट अतिथि रही।स्वागत प्रधानाचार्य गोवर्धन सिंह राव ने किया ।अतिथि परिचय मनीषा भट्ट प्राध्यापक ने किया ।मुख्य अतिथि अजीत कोठिया ने महावीर इंटरनेशनल के विभिन्न सेवा प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। भुवनेश्वरी मालोत ने योग, कहानी ,खेल के माध्यम से बच्चों में सकारात्मक सोच और ऊर्जा का संचार किया। इस कार्यक्रम में 215 कोट का वितरण मनभरी चौधरी , कांता भाटी और गीता चौधरी के सौजन्य से किया गया। पेन आशा मित्तल ने दिए। गीता चौधरी ने माही वीरा केंद्र बांसवाड़ा के सेवा कार्यों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में हेमलता ओझा, उषा पोरवाल, उषा मखीजा, सुधा तलवाडिया संध्या लोकवाणी, भारती, आशा अग्रवाल, सतरा चौधरी का सहयोग रहा।आभार प्रभुलाल भगोरा ने व्यक्त किया तथा संचालन लक्ष्मी नारायण दवे ने किया। आयोजन के बाद गरम कोट पहने हुए बच्चो के चेहरों पर खुशी देखते ही बनती थी। वजवाना पी ई ई ओ क्षेत्र के चार विद्यालयों के 215 छात्र छात्राओं को कोट वितरण का लाभ प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय गणित दिवस 22 दिसंबर के संदर्भ में गणितीय पांडुलिपियों की प्रदर्शनी

इंदौर. शाबाश इंडिया। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में स्थापित भारतीय ज्ञान परंपरा जैन गणित केंद्र द्वारा जैन गणितीय पांडुलिपियों की 12 दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन 12 से 23 दिसंबर 2025 के मध्य जैन गणित केंद्र पर किया गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन लंदन विश्वविद्यालय की जैन चेयर के अध्यक्ष प्रोफेसर पीटर फ्लूगेल ने किया। प्रोफेसर फ्लूगेल ने इन दुर्लभ ग्रन्थों के संरक्षण तथा शीघ्र प्रकाशन की आवश्यकता प्रतिपादित की। इस अवसर पर प्रोफेसर फ्लूगेल ने विशाल जैन साहित्य में अनंत की अवधारणा तथा जैन मूर्तियां की विशालता को विवेचित किया। आपने कहा कि भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ की मूर्तियों की विशालता, शांति,कुंथु एवं अरहनाथ की मूर्तियों की क्रमबद्धता शोधकों को आकर्षित करती है। उद्घाटन समारोह के अवसर पर आयोजित विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए डीएवीवी के कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई ने कहा कि छंद शास्त्र में बाइनरी पद्धति का प्रयोग अत्यंत प्राचीन काल से होता रहा है किंतु लोग इसे विदेशी योगदान मानते हैं। ऐसे ही अनेक भारतीय योगदान हैं जिन्हें हम विस्मृत कर चुके हैं। आपने विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय गणित केंद्र पर प्रोफेसर अनुपम जैन द्वारा सृजित एवं भारत सरकार द्वारा प्रकाशित ग्रंथ जैन गणित की प्रति प्रोफेसर पीटर फ्लूगेल को भेट की। प्रोफेसर अनुपम जैन ने भी इस अवसर पर 692 प्रष्ठीय इस विशाल ग्रंथ की विषय वस्तु एवं गणित के क्षेत्र में जैन आचार्यों के अवदानों को विस्तार से रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन गणित अध्ययनशाला के श्री अंगद ओझा ने किया। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजीव टोकेकर ने दिया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर केट की वैज्ञानिक वीणा जैन एवं विभाग के अनेक विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि यात्रा संघ भीलवाड़ा के यात्री अयोध्या पहुंचा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। 18 तीर्थंकरों की जन्म भूमि यात्रा संघ भीलवाड़ा के संयोजन में यात्रा दल बटेश्वर, अयोध्या अतिशय क्षेत्र पहुंचा। प्रचार संयोजक प्रकाश पाटनी में बताया कि शोलपुर बटेश्वर में नेमिनाथ भगवान की जन्म भूमि पहुंचकर नेमिनाथ भगवान के दर्शन आरती कर कम्लिल्य नेमीनाथ भगवान की जन्म भूमि पहुंचकर दर्शन लेते अयोध्या पहुंचे। ऋषभदेव, अजीतनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ अनंतनाथ की जन्म भूमि पहुंचकर 31 फुट उत्तग खड़गासन मनोहारी प्रतिमा के दर्शन व अभिषेक देख कर धन्य हुए। गणिनि प्रमुख आर्यिका शिरोमणि ज्ञानमती माताजी के दर्शन, आशीर्वाद प्राप्त कर माताजी का आहार देखने का सौभाग्य मिला। ज्ञानमती माताजी ने कहा कि पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि अयोध्या क्षेत्र का विकास करने का भाव आया था। उसे आज साकार रूप दिया है। देश-विदेश के कोने-कोने से यहां श्रद्धालुगण पहुंचकर धर्म का लाभ ले रहे हैं। जो प्रशंसनीय है। मैं स्वयं भी भीलवाड़ा आई थी। धर्मनगरी भीलवाड़ा के सभी धर्मावलंबी अयोध्या पहुंचकर समय-समय पर धर्म लाभ पुण्य संचय करें। संयोजक लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि कई महीनो पूर्व अयोध्या का धर्म रथ भीलवाड़ा नगर में आगमन हुआ उस समय जिले भर से अयोध्या तीर्थ क्षेत्र के लिए बड़ी संख्या में समाजजनों ने दान दिया था। एवं सहस्त्रकूट जिनालय में एक प्रतिमा स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त किया था। उसमें यात्री दल के लक्ष्मीकांत जैन ने माताजी के आशीर्वाद से एक प्रतिमा स्थापित की थी। उस प्रतिमा पर अभिषेक देखने का अवसर मिला। इस उपरांत रात्रि में यात्रीयो ने हनुमानगढ़ी, सूरजकुंड, सरयू तट पर आरती, लेजरशो, राम मंदिर की लाइटिंग देखने का भरपूर लाभ लिया। यात्रा दल के संयोजक राजेंद्र सोगानी ने बताया कि 20 दिसंबर को रतनपुरी, श्रावस्ती होते बनारस पहुंचेंगे।

दिगम्बर जैन यात्रा संघ झोटवाड़ा के यात्री जयपुर आज 20 दिसम्बर को वापस आएंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन यात्रा संघ, झोटवाड़ा जयपुर द्वारा झोटवाड़ा जैन समाज के वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, और विधवा सदस्यों की निशुल्क यात्रा 13 दिसंबर 2025 को जयपुर से आरंभ हुई। यात्रा जयपुर से शौरीपुर बटेश्वर, कम्पिला जी, अहिक्षेत्र पारसनाथ, श्रावस्ती, अयोध्या भेलूपुर वाराणसी, रतनपुरी, सिंहपूर सारनाथ, चंद्रगिरी, तपस्थली, प्रयागराज, कौशांबी, प्रभासगिरि एवं अन्य दर्शनीय स्थलों के दर्शन करते हुए 20 दिसंबर 2025 को जयपुर पहुंचेंगे। तीर्थंकर भगवान की जन्म स्थलियो के साथ-साथ परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी के भी दर्शन लाभ अर्जित करते हुए, यह यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यात्रा के शिरोमणि संरक्षक विमल कुमार, पवन कुमार, अक्षत बाकलीवाल एवं संयोजक गण निर्मल पांड्या, विजय बड़जात्या, राकेश पाटनी, राकेश बड़जात्या, महेंद्र पाटनी, एवं राजीव पाटनी ने बताया कि यात्रा निर्विघ्न सफलतापूर्वक पूर्णता कि और अग्रसर हैं। सभी यात्रियों ने यात्रा में तीर्थंकर भगवान की जन्म स्थलियो के साथ-साथ प्राचीन जिनालयो के दर्शन लाभ भी अर्जित कर पुण्य संचय किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
के तत्वाधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार के द्वारा
64 रिद्धि-सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपको द्वारा
श्री वर्धमान स्तोत्र पाठ
शनिवार, 20 दिसम्बर 2025
सायं 7.30 बजे से
स्थान : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर
वरुण पथ, मानसरोवर, जयपुर
-: दीप प्रज्जवलन कर्ता :-
श्रीमान राजेन्द्र कुमार -श्रीमती सुनीता कासलीवाल
कार्यक्रम संयोजक
चन्द्र कांता छाबड़ा मुख्य परामर्शक
सुरेश चन्द जैन बांदीकुई कार्याध्यक्ष
आप सभी सादर आमंत्रित है कृपया पधारकर धर्म लाभ लेवे।
कार्यक्रम ड्रेस कोड :- पुरुष वर्ग – सफेद कुर्ता पायजामा/पेंट शर्ट • महिला वर्ग–केसरिया/पीली साड़ी
:: आयोजक ::
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रुप नवकार
मोहन लाल गंगवाल अध्यक्ष
विजय पांड्या सचिव
कैलाश चंद सेठी कोषाध्यक्ष
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य दिगम्बर जैन सोशल, ग्रुप नवकार
:: निवेदक ::
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
सुनील -सुमन बज अध्यक्ष
अनिल-शशि जैन संस्थापक अध्यक्ष
राजेश-सीमा बड़जात्या निर्वतमान अध्यक्ष
प्रमोद-सोनल जैन कोषाध्यक्ष
नीरज-रेखा जैन सचिव

वर्द्धमान कॉलेज का वार्षिक समारोह सतरंगी रोशनी, विविध रंगारंग कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

वार्षिक समारोह देखकर भावुक हुई मॉडल एवं अभिनेत्री मुग्धा गोडसे

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि मुग्धा गोडसे का स्वागत बैंड की सुमधुर लहरियों में समिति अध्यक्ष सुनील खेतपालिया, मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, प्राचार्य डॉ आर.सी. लोढ़ा, अकादमिक प्रभारी नीलम लोढ़ा ने राजस्थानी परंपरा अनुसार माल्यार्पण, उपरना, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेट कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी की स्तुति एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने एक से बढ़कर एक महाभारत, महारानी पदमिनी, पंजाबी, कांथारा एवं भरतनाट्यम जैसे मनमोहक नृत्य एवं प्रभावशाली नाट्य मंचन, लेजर लाइट शो समेत विभिन्न शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति को दर्शकों की लगातार तालिया और प्रशंसा मिली। यह आयोजन छात्राओं के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और अंतर्निहित क्षमताओं को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच सिद्ध हुआ। मुख्य अतिथि अभिनेत्री एवं मॉडल मुग्धा गोडसे ने कहा कि वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय एक ऐसा शिक्षण संस्थान है, जहां मानवता ही सेवा है, सेवा ही संस्कार है । उन्होंने हर्ष प्रकट किया कि श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति की ओर से संचालित शिक्षण संस्थानों में छात्राओं को ऐसी शिक्षा दी जा रही है जिससे छात्राएं भविष्य में रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के समग्र विकास और उत्कृष्टता की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं ने शैक्षिक, सांस्कृतिक और खेलकूद क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देशभर में नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में शैक्षणिक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाली छात्राओं तथा खेलकूद में उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली खिलाडी छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फैशन डिजाइन एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग की नारीत्व पत्रिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष एम. गौतमचंद बोहरा, सहमंत्री सुनील कुमार ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष देवराज लोढ़ा, प्रचार मंत्री महेन्द्र सांखला, सदस्य प्रवीण खेतपालिया, दीपचन्द कोठारी, उत्तमचंद देरासरिया, प्रकाश गदिया, अरविन्द मूथा, वैभव सकलेचा, धनपतराज श्रीश्रीमाल, विशाल नाहटा, डॉ एस.सी. जैन, महावीर चंद नाहर, पवन खिंवसरा सहित देशभर से पधारे अतिथि, अभिभावक एवं छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन निधि पंवार, पूजा कांजानी एवं बीसीए विभागाध्यक्ष नवीन देवड़ा ने किया।

भगवान महावीर का 2552 वां निर्वाणोत्सव वर्ष पर 51 बसों से 2552 श्रद्धालु जाएंगे जहाजपुर

राष्ट्र संत आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज को जयपुर आगमन एवं वर्ष 2026 के जयपुर में चातुर्मास के लिए करेंगे श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना के लिए एक साथ हजारों श्रावक भगवान मुनिसुव्रत नाथ के दर्शन करने, गुरु चरणों में श्रीफल भेंट कर पुण्य अर्जित करने एवं राष्ट्र संत आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ को जयपुर आगमन एवं वर्ष 2026 का जयपुर में चातुर्मास करने के लिए निवेदन करने हेतु जयपुर से शनिवार, 20 दिसम्बर को 51 बसों द्वारा अतिशय क्षेत्र स्वस्तिधाम जहाजपुर के लिए रवाना होंगे। मुख्य संयोजक देवेन्द्र बाकलीवाल एवं चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज के अन्तर्गत गुरुआस्था परिवार, राजस्थान, अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापूगांव एवं आदिश्वर धाम, चाकसू की कमेटी द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय धार्मिक यात्रा में शनिवार, 20 दिसंबर को जयपुर से प्रातः 5.00 बजे जयपुर शहर की 48 कालोनियों के दिगम्बर जैन मंदिरों से 51 बसें स्वस्तिधाम जहाजपुर के लिए रवाना होगी। ये बसें अपनी अपनी कालोनियों से रवाना होकर प्रतापनगर के कुम्भा गेट पर पहुचेगी जहा से समाज श्रेष्ठी विवेक काला, अनिल जैन बनेठा एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा बसों को जैन ध्वज दिखाकर स्वस्तिधाम जहाजपुर अतिशय क्षेत्र के लिए रवाना करेगे। मुख्य संयोजक जिनेन्द्र जैन जीतू एवं दीपक बाकलीवाल ने बताया कि जयपुर से हजारों श्रावक स्वस्तिधाम जहाजपुर पहुंचकर एक साथ भू गर्भ से प्रकटित भगवान मुनिसुव्रत नाथ के देवझ्दर्शन करते हुए प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। तत्पश्चात आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

न्यायालय से प्रतिमाए प्राप्त होने पर जैन समाज में खुशी की लहर

नौगामा,बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। बोडीगामा जैन मंदिर से आठ माह पूर्व जैन प्रतिमा सिंहासन छत्र जो चोरी हो गए थे वह चोरों द्वारा तीन दिन पूर्व जलदा रोड पर खेत की मेड़ पर रख गए थे। किसान द्वारा समाज को सूचना देने पर प्रतिमा प्राप्त होने पर पुलिस प्रशासन को सूचना सूचना दी गई थी। पुलिस प्रशासन द्वारा तीनों प्रतिमाएं कब्जे में लेली थी। आज न्यायालय द्वारा जैन समाज को सौंप दी गई इस अवसर पर थाना कलीजरा में सी आई साहब द्वारा जैन समाज को प्रदान की। इस अवसर पर नोगामा, बॉडीगमा जैन समाज , कलिंजरा समाज द्वारा संपूर्ण पुलिस थाना के पुलिस कर्मियों का समाज द्वारा माला पहनाकर शाल उड़ाकर मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया इस अवसर पर सी आई योगेंद्र व्यास साहब ने कहां की बड़ी प्रसन्नता है कि आज इस थाने में मेरी प्रथम नियुक्ति के साथ-साथ भगवान के दर्शन हुए और एक अच्छे कार्य के लिए मुझे अवसर मिला उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन आप सभी के लिए सहयोग की भावना से कार्य करता है जब भी कोई ऐसा हमारे योग्य कार्य हो हमें सूचित करें इस अवसर पर जैन समाज ने बड़ी प्रसन्नता व्यक्ति की एवं बड़े भक्ति भाव से बैंड बाजो के साथ प्रतिमा विशाल शोभा यात्रा के साथ नौगामा जैन मंदिर लाई गई जहां पर बड़े भक्ति भाव से भक्ति की गई इस अवसर पर एडवोकेट महेंद्र गांधी वैभव गांधी द्वारा अथक प्रयास करने पर समाज द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर अध्यक्ष विपुल पंचोरी, बोडीगामा जैन समाज अध्यक्ष लक्ष्मीलाल नानावटी , रमणलाल जी नानावटी रमेश चंद्र गांधी सुभाष चंद्र नानावटी राजेश गांधी आदि ने सभी का आभार व्यक्त किया उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई

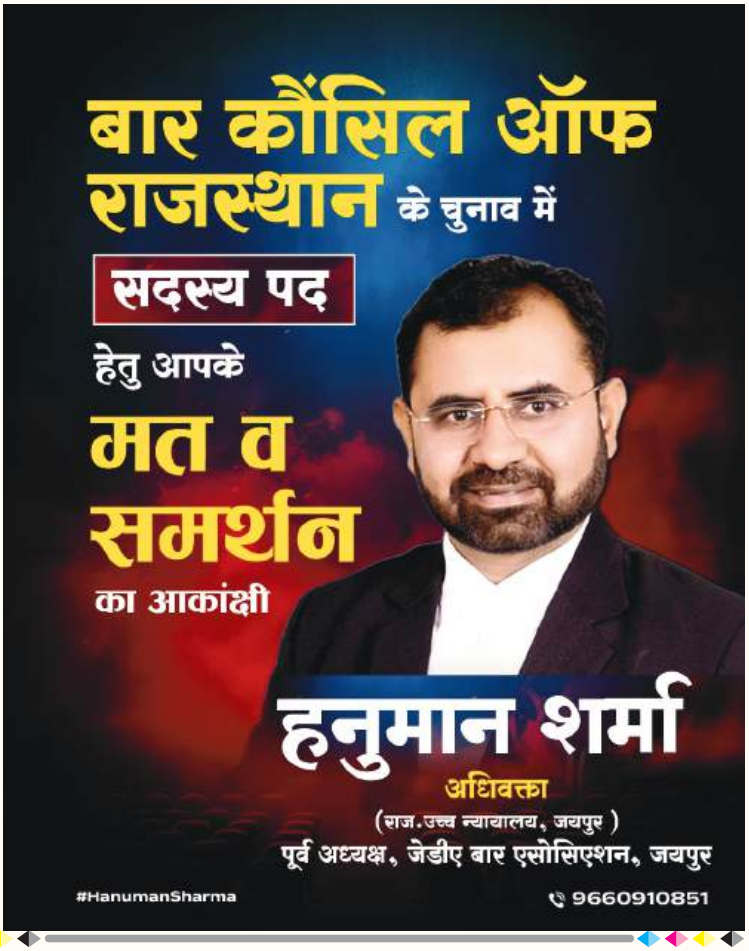

जनकपुरी के नेमिनाथ से गए 101 सदस्यीय यात्रा दल ने की सिद्ध क्षेत्र गिरनार के नेमिनाथ की वंदना

यात्रा दल के वरिष्ठ यात्रियों तक ने की 14000 सीढ़ियो की पद यात्रा कर की धर्म प्रभावना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर नेमीनाथ जैन मंदिर जयपुर से छ दिवसीय यात्रा पर गए दल तारंगा, उमता की यात्रा करते हुए गिरनार सिद्ध क्षेत्र पहुंचा जहाँ से जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर नेमिनाथ निर्वाण को प्राप्त हुए है । यात्री पदम जैन बिलाला ने बताया कि यात्रियों ने तीन गणधरो सहित साढ़े तीन करोड़ मुनिराजों की मोक्ष स्थली तारंगा में मूल नायक तीसरे तीर्थंकर सम्भव नाथ भगवान के अभिषेक शांति धारा की तथा आचार्य वर्धमान सागर जी के संघ के तीन मुनिराजों तथा माताजी के दर्शन लाभ लिया। यात्रा दल के सुनील सेठी व कमलेश पाटनी के अनुसार दल ने शुक्रवार 19 दिसम्बर को भक्ति भाव के साथ गिरनार की पहाड़ी पर पहली टोंक पर दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक दर्शन किए तथा राजुल की गुफा के दर्शन करते हुए पाँचवी टोंक पर स्थित भगवान नेमिनाथ के चरण चिन्हों के करीब नो हजार सीढ़ियाँ चढ़ कर दर्शन कर पुण्यार्जन किया । दल के पदम जैन बिलाला ने बताया कि गिरनार पर्वत पर आधी दूरी तक आजकल रोप वे की भी सुविधा है इतिहास कारों ने यादव वंशी तीर्थंकर नेमिनाथ , जिन्हें अरिष्ट नेमि भी कहा जाता है , को चचेरे भाई श्री कृष्ण के समकालीन माना है। यात्रा दल में 57 महिलाये तथा 44 पुरुष यात्री शामिल है ।यात्री दल यहाँ से पालीताणा , घोघा आदि स्थानों के दर्शन हेतु जाएगा ।

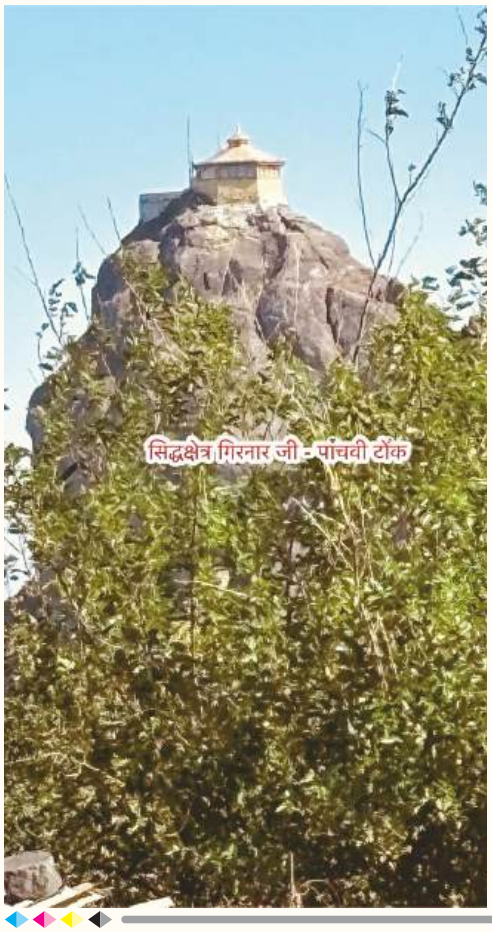

तुम्हें ज़िंदगी इसलिए मिली है कि तुम जीते-जी कुछ कर सको: राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

तुम्हें ज़िंदगी इसलिए मिली है कि तुम जीते-जी कुछ कर सको। मौत का डर हमें इस संसार से ऊपर उठकर कुछ सार्थक करने की प्रेरणा देता है। दुख इसलिए नहीं आता कि तुम्हें दुखी बना दे, बल्कि इसलिए आता है कि सुख के दिनों में तुम ऐसा कुछ कर लो कि दुनिया तुम्हें याद रखे। ये प्रेरक उद्गार सुभाषगंज मैदान में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस ने ऐसा क्या किया कि आज भी पूरा राष्ट्र उन्हें सम्मान की दृष्टि से याद करता है। जब करने की क्षमता हो, तभी कर डालो—क्योंकि दुख के समय मनुष्य कुछ करने लायक नहीं रह जाता। इस अवसर पर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापकाचार्य राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में हुआ यह अपूर्व चातुर्मास ऐतिहासिक रहा है। इसे सफल बनाने में शासन-प्रशासन, पुलिस प्रशासन और मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आज जिला पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा, एसडीओपी श्री विवेक शर्मा एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोनम जी का सम्मान कर हम स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। सम्मान समारोह में जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, मंत्री विजय धुर्रा, मंत्री संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर संजय के.टी., संयोजक मनोज

रन्नौद, उमेश सिंघई, मनीष सिंघई, श्रेयांश घैला, थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगूमिल, महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अनेक प्रमुख जन उपस्थित रहे। सभी का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-भेंट देकर सम्मान किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा ने कहा कि अशोक नगर में बीते पाँच महीनों से आनंद की वर्षा हो रही है। एक से बढ़कर एक कार्यक्रम हुए और पुलिस फोर्स को सेवा का अवसर मिला। अगले वर्ष भी नगर में विश्व शांति महायज्ञ आयोजित हो—ऐसी हमारी कामना है। संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोनम जी ने कहा कि पाँच हजार से अधिक शिविरार्थियों का अनुशासित ढंग से दस दिनों तक धर्म-ध्यान करना हम सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। गजरथ महोत्सव अत्यंत आनंददायक रहा। उन्होंने ग्रीष्मकालीन वाचना भी इसी नगर में

कराने का निवेदन किया। मुनिश्री ने कहा, जो करना है, सुख के दिनों में कर लो। जब तक गले में आवाज है और बुद्धि साथ दे रही है, तब तक प्रभु का नाम जपो। ऐसा संस्कार बना लो कि सुख से दुख में भी जाओ तो णमोकार मंत्र का संस्कार साथ रहे। इस अवसर पर श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ गजरथ महोत्सव के कलशों का सौभाग्य अनेक भक्त परिवारों को प्रदान किया गया।

सुखी जीवन के लिए शांति और आनंद आवश्यकः आचार्य विनिश्चय सागर महाराज

सूर्य नगर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

शनिवार को इंजीनियर्रस कालोनी के शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का 13 वर्ष पश्चात जयपुर की पावन धरा पर मंगल प्रवेश हुआ है। सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में एवं एस एफ एस के दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री ससंघ के दर्शनों के लिए शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आचार्य श्री ससंघ शुक्रवार, 19 दिसंबर को प्रातः तारों की कूट पर सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए ऋषभ मार्ग पर कोटखावदा हाऊस पहुचे जहां मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा, दीपिका जैन कोटखावदा, कुसुम साखूनियां, अंकित बाकलीवाल, दिव्या बाकलीवाल, देवांश बाकलीवाल, सीए शुभम जैन, अंकित जैन सोनी आदि ने पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की। आचार्य श्री ने कोटखावदा हाऊस में उपस्थित महेन्द्र साह आबूजीवाले, चेतन जैन निमोडिया, अशोक बाकलीवाल, भाग चन्द पाटनी, अभय लुहाडिया, पुष्पा सोनी, अनिता लुहाड़िया, रेखा पाटनी, मीनू जैन निमोडिया आदि सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। आचार्य श्री ससंघ सूर्य नगर में रेवड़ी वालो के चैत्यालय के दर्शन किए। इससे पूर्व आचार्यश्री ससंघ चित्रकूट के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार कर तारों की कूट पर पेट्रोल पंप पहुचे जहां अध्यक्ष नवीन जैन, महामंत्री धनेश सेठी एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में भव्य अगवानी की गई। तत्पश्चात जुलूस मंदिर जी के लिए रवाना हुआ। मार्ग में आचार्य श्री ने चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा की चावल के दानों पर बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन किया। मंदिर पहुचने पर मंदिर समिति एवं महिला मंडल द्वारा पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। जैन के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ का सूर्य नगर से मेट्रो एन्क्लेव होते हुए बी टू बाई पास पर एस एफ एस कालोनी के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ । इस मौके पर मंदिर समिति एवं महिला मंडल द्वारा भव्य अगवानी की गई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक शुक्रवार को एस एफ एस कालोनी के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम चाहते तो पुण्य है लेकिन काम पाप के करते हैं। पुण्य के लिए मंदिर की आवश्यकता नहीं है। और पाप के लिए घर होना जरुरी नहीं है। पाप और पुण्य कही भी किसी भी समय हो सकता है। पुण्य कार्य को बल पूर्वक करना चाहिए। जैसे भाव आपके मंदिर में होते हैं यदि वैसे भाव आपके घर में बन जाए तो मंदिर आने की आवश्यकता नहीं है। मुनियों ने अपने आप को मंदिर बना लिया है इसलिए उन्हें मंदिर आना अनिवार्य नहीं है। आगम अनुसार श्रावकों के भाव मुनियों जैसे नही होते है इसलिए उनके लिए मंदिर में आकर देव दर्शन करना अनिवार्य किया गया है। शांति और आनंद को अपने जीवन में अपनाए। सुख की बरसात हो जाएगी। इस मौके पर मीरामार्ग दिगम्बर जैन समाज, श्योपुर, एस एफ एस, सूर्य नगर तारों की कूट जैन समाज ने श्रीफल भेट कर अल्प प्रवास के लिए निवेदन किया। धर्म सभा में एस एफ एस के अध्यक्ष कमलेश चन्द जैन , महामंत्री सोभाग मल जैन ,मंत्री कुणाल काला, श्योपुर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक बाकलीवाल, मुनि भक्त सुरेन्द्र जैन हल्देनिया ,डॉ विमल कुमार जैन, मनीष बगडा, राजेन्द्र सेठी, जम्बू सोगानी, मनोज जैन, अशोक छाबड़ा, सीए शुभम जैन, अंकित सोनी, पुलकित लुहाड़िया,नितिन हल्देनियां, प्रेम लता बाकलीवाल , दीपिका जैन कोटखावदा, दिव्या बाकलीवाल, सहित आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के पदाधिकारी शामिल हुए। सायंकाल 6.15 बजे आचार्य श्री के सानिध्य में एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर में जिज्ञासा समाधान का भव्य कार्यक्रम हुआ। रात्रि विश्राम एस एफ एस दिगम्बर जैन संत भवन में ही हुआ । आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का शनिवार, 20 दिसम्बर को प्रातः एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार होकर इंजीनियर्रस कालोनी मान्यावास के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 9.00 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा।

रेसटा का राज्य स्तरीय दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन धूमधाम से शुरू

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और नामांकन बढ़ाने का लिया संकल्प

''संस्कार और ज्ञान देने वाला ही सच्चा शिक्षक'' शिक्षकों ने उठाई शिक्षक हितों की मजबूत आवाज

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के राज्य स्तरीय दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ फलोदी के अंबेडकर डवलपर्स, मलार रोड पर हुआ। सम्मेलन में प्रदेश भर से आए सैकड़ों शिक्षकों ने सरकारी स्कूलों में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने और नामांकन बढ़ाने का पक्का संकल्प लिया। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि सच्चा शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं,बल्कि जीवन जीने के संस्कार और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देता है। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) सोहन राम विश्नोई ने कहा, शिक्षक का कर्तव्य सिर्फ पढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ऐसी क्षमताएं जगाना है जो उन्हें जीवन में निरंतर प्रगति की राह पर ले जाएं और देश को गौरवान्वित करें। विशिष्ट अतिथि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय,बीकानेर के प्रो. अनिल कुमार छंगाणी ने शिक्षकों की भूमिका को सभ्य समाज के निर्माण का आधार बताया और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला। संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा, शिक्षक का व्यक्तित्व पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायी है। हम सभी मिलकर सरकारी स्कूलों के बच्चों को सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाएंगे। इस दौरान प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों ने बोर्ड कक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम और अधिकाधिक नामांकन का संकल्प दोहराया। सम्मेलन में शिक्षक हितों को लेकर जोरदार आवाज उठी। प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना बहाल रखना, तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित सभी संवर्गों के तबादले सबसे पहले करना, वरिष्ठ अध्यापक एवं व्याख्याताओं की बकाया पदोन्नतियां शीघ्र पूरी करना, कंप्यूटर अनुदेशकों की वेतन विसंगति दूर करना, शिक्षक सम्मान समारोह में पारदर्शिता लाना और पाठ्यक्रम निर्धारण समिति में सभी वर्गों के शिक्षकों को शामिल करना शामिल हैं। महामंत्री नवल सिंह मीणा ने बताया कि 21 सूत्री मांग-पत्र तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री रतन लाल पंवार, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीरू ईरनिया, शिक्षक नेता प्रताप दईया सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। भामाशाह सीएम बाला ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सम्मेलन में पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह, बैग, पेन और डायरियां भेंट कर सम्मानित किया गया। संयोजक दुगार्राम बिरठ ने सभी का आभार व्यक्त किया, जबकि मंच संचालन बाबू लाल चौहान ने किया। सम्मेलन में प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, संरक्षक सफी मोहम्मद मंसूरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंशाराम खिजुरी, उपाध्यक्ष गजराज सिंह मोठपुर, महामंत्री नवल सिंह मीणा, प्रवक्ता राजीव चौधरी सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारी और सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे। यह सम्मेलन न केवल शिक्षक हितों की लड़ाई का प्रतीक बना, बल्कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

आचार्य संघ सानिध्य में होगा सिद्धचक्र महामंडल विधान

बहुत पुण्य,सौभाग्य से सिद्ध चक्र विधान की पूजन करने, देखने, सुनने का सौभाग्य मिलता हैं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

निवाई. शाबाश इंडिया

प्रथमा चार्य चारित्र चक्रवर्तीआचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की मूल बाल ब्रह्मचारी पट्टपरंपरा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज टोंक जिले के निवाई में संघ सहित विराजित है ।आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में चवरिया परिवार की ओर से आगामी 22 दिसंबर से 30 दिसंबर तक सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया है। बहुत पुण्य और सौभाग्य से सिद्धचक्र महा मंडल की पूजन करने, पूजन देखने ओर पूजन में चढ़ाए जाने वाले अर्ध्य में सिद्ध प्रभु का गुणानुवाद सुनने का अवसर मिलता हैं। विधान में पूजन में भावों और परिणामों की निर्मलता जरूरी हैं। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने संत भवन में सिद्ध चक्र मंडल विधान के पुण्यार्जक परिवार को आशीर्वाद देकर प्रगट की गुरु भक्त राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि प्रतिदिन सिद्धचक्र विधान मे समर्पित किए जाने वाले अर्ध्य के समय भगवान के गुणों का विस्तार से वर्णन कर बताया कि सिद्ध चक्र विधान की पूजा में मुख्य रूप से 2040 अर्ध चढ़ाये जाते हैं ।सिद्ध चक्र विधान की पहली पूजा में मुख्य 8 दूसरी पूजा में 16 तीसरी पूजा में 32 चौथी में 64,पांचवीं में 128 और छठी पूजा में256 अर्ध चढ़ाये गए। आगे सातवीं पूजा में 512 आठवीं पूजन में 1024 अर्ध्य चढ़ाए जावेंगे महिपाल एवं मोहित चवरिया ने बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सहित 33 साधुओं के सानिध्य में सिद्ध चक्र मंडल विधान का शुभारंभ 22 दिसंबर जिनेन्द्र, आचार्य आज्ञा, मंगल कलश ओर रथ यात्रा बड़ा मंदिर से प्रारंभ होगी।रथ यात्रा का समापन संत निवास पार्श्वनाथ उद्यान में होगा आचार्य श्री5 वर्धमानसागर जी संघसानिध्य में श्री सन्मति ,कमलेश देवी , सुकुमाल,नीलम, शालू एवं परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा।विमल जोला विधानाचार्य के निर्देशन में मंडप स्थल शुद्धि इंद्र प्रतिष्ठा, सकलीकरण अंकुरारोपण होगा। सभी समाज जनों को विधान में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने का सादर अनुरोध किया।

मानव जीवन को लाभ देने वाले अनुसंधान हों: वासुदेव देवनानी

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि शिक्षा, विकास, प्रौद्योगिकी और नवाचार मूल्य आधारित, समयानुकूल व युगानुकूल होने चाहिएं। शोध और अनुसंधान समाज और मानव जीवन को लाभ देने वाले हों। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में चारित्रिक दृढता, नेतृत्व कौशल और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ लक्ष्य तय करके कार्य करने चाहिएं। इसी से समाज निर्माण की दिशा तय हो सकेगी। स्पीकर देवनानी ने शुक्रवार को यहां श्री भवानी निकेतन महिला पीजी महाविद्यालय में दो दिवसीय बहुविषयक सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। देवनानी ने सम्मेलन में नवाचार, प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण और मानव मूल्यों के सतत भविष्य पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया। उद्घाटन समारोह में राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर के कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय विशिष्ट अतिथि थे। सम्मेलन में मुख्य वक्ता मैट्रोलोजिकल डिपार्टमेन्ट ऑफ इंडिया के पूर्व महानिदेशक डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ थे। देवनानी ने कहा कि नये परिप्रेक्ष्य में आज का विद्यार्थी आज का ही नागरिक है। नई पीढ़ी को विश्लेषण के लिए सोच बढ़ानी होगी। भारत और भारत के नागरिक होने पर गर्व की अनुभूति का एहसास नई पीढ़ी को भी कराना होगा। नैतिक मूल्यों के साथ ही नवाचार करें। सांस्कृतिक सनातन संस्कृति के मूल्यों से नई पीढ़ी को भी परिचित कराएं ताकि युवाओं में संवेदनशीलता, आदर, सहहृदयता, ईमानदारी और सहयोग की भावना का विकास हो सके। भारतीय संस्कृति को जीवन का अंग बनाएं और उसे व्यवहार में लाएं।

प्रत्येक भक्त भगवान बन सकता है: आचार्य सुंदर सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रत्येक भक्त भगवान बन सकता है, लेकिन उसके पहले भक्त होना आवश्यक है। पूज्य जैनाचार्य 108 श्री सुंदर सागर जी महाराज द्वारा नेमीसागर कालोनी में अपने प्रवास के दौरान अपने प्रवचन में बताया कि आत्मा ही परमात्मा बन सकती है। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि दिगंबर जैन आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ससंघ का इन दिनों नेमी सागर कॉलोनी में प्रवास चल रहा है। आचार्य श्री द्वारा प्रतिदिन अपने प्रवचनों में राम कहानी का वाचन किया जा रहा है । सुंदर सागर महाराज के साथ 32 साधुगण का संघ है एवं अपनी तपस्या तथा साधना के साथ धर्म प्रभावना कर रहे हैं ।आचार्य श्री के प्रवास के दौरान दिगंबर जैन मंदिर नेमी सागर कॉलोनी में प्रतिदिन नित्य कलशाभिषेक शांति धारा प्रवचन एवं जिज्ञासा समाधान का आयोजन हो रहा है। आचार्य सुन्दर सागर महाराज की दीक्षा स्थली शिकोहाबाद स्थित विशुद्ध इंटरनेशनल स्कूल के सैकडो बच्चौ ने आज जयपुर आकर आचार्य श्री के दर्शन किये और आचार्य श्री से मंगल आर्शिवाद प्राप्त किया। आज की मंगल आरती के पुण्यार्जक अनिल जैन बबिता जैन धुआँ वाले क्रासलेण्ड परिवार थे।

खेल, साहस और अनुशासन का संगम

डीपीएस उदयपुर खेल मैदान में दिखी ऊर्जा, मंच पर सजीव हुआ राष्ट्रभाव

उदयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत शुक्रवार को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन विद्यालय प्रांगण में उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के.के. गुप्ता, विशिष्ट अतिथि नीरज बत्रा, कर्नल जितेंद्र कुमार, गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, चिन्मय चौधरी एवं सुदीक्षा सिंह देवड़ा का अश्व दस्ता द्वा सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय गीत से हुई। प्रबंधन सदस्या अपूर्वा अग्रवाल के स्वागत भाषण के पश्चात ध्वजारोहण, मशाल प्रज्वलन, आकर्षक मार्च पास्ट और खेल शपथ ने आयोजन को गरिमामय बनाया। गुब्बारे उड़ाकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया। कमांडो ड्रिल ने दर्शकों को रोमांचित किया। डीपीएस के कमांडो छात्रों ने मुंबई के ताज होटल आतंकी हमले पर आधारित नाट्य प्रस्तुति में सुरक्षा बलों के साहस, रणनीति और राष्ट्रनिष्ठा को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया। विद्यालय के प्राचार्य संजय नरवरिया ने खेलों को अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। एरोबिक्स, जुम्बा, पैराशूट ड्रिल, योग, हुला हूप, कराटे तथा ट्रैक स्पधाओं ने खेल दिवस को ऊजार्वान बनाया। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप 3 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में सतलज हाउस ने कल्चरल ट्रॉफी जीती, जबकि खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर गंगा हाउस ने ओवरऑल ट्रॉफी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन आफताब अब्बास एवं अंशु कालरा ने किया। प्रो. वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल के संबोधन और धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रिपोर्ट एवं फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

शिल्पग्राम उत्सव 2025 का भव्य आगाज 21 से

22 राज्यों के 900 लोक कलाकारआएंगे, कोमल कोठारी पुरस्कार से दो विभूतियां होंगी सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। लोक कलाओं के महासंगम शिल्पग्राम उत्सव 2025 का शुभारंभ 21 दिसम्बर, रविवार को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के शिल्पग्राम परिसर में राजस्थान के राज्यपाल एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र अध्यक्ष हरिभाऊ किसनराव बागडे.नगाड़ा बजाकर करेंगे। समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत करेंगे, जबकि अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचन्द कटारिया उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह में उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन तथा उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भी मौजूद रहेंगे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि प्रथम दिवस आमजन के लिए दोपहर 3.00 बजे से प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इस अवसर पर डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार गुजरात के राजकोट निवासी डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु और राजस्थान के जयपुर निवासी रामनाथ चौधरी को प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार में रजत पट्टिका के साथ 2.51 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। यह पुरस्कार लोक कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। दस दिवसीय इस उत्सव में देश के 22 राज्यों से आए लगभग 900 लोक कलाकार भागीदार बनेंगे। वहीं, करीब 91 लोक कला दलों द्वारा 82 से अधिक लोक कलाओं की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शिल्पग्राम परिसर के विभिन्न थड़ों पर बहरूपिया, कच्छी लोक गायन, गवरी, कालबेलिया, मांगणियार, तेरह ताल, चकरी, कच्ची घोड़ी, अल्गोजा और नगाड़ा वादन जैसी कलाएं दिनभर देखने को मिलेंगी। उत्सव में पत्थरों में तराशे गए 12 विशेष स्कल्पचर, घूमर नृत्य करते पुतले, मिनिएचर मॉडल प्रदर्शनी, फोटोग्राफी प्रदर्शनी और लाइव कारीगरी प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही 400 से अधिक क्राफ्ट स्टाल्स, चार फूड जोन, कार्यशालाएं, नेशनल पेंटिंग सिम्पोजियम और 'हिवड़ा री हूक' जैसे सहभागितात्मक कार्यक्रम दर्शकों को हर दिन नया अनुभव देंगे। **रिपोर्ट एवं फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

हार्दिक श्रद्धांजली : स्मरण दिवस 19 दिसंबर

स्वर्गीय श्री मोहनलाल जी गंगवाल

(साड़ी घर, पचार वाले)

बड़े बाबा कुण्डलपुर के परम भक्त आदरणीय पापाजी स्वर्गीय श्री मोहनलाल जी गंगवाल (साड़ी घर, पचार वाले) से आज हमारा 24 साल का वियोग हो गया है लेकिन आज भी यही लगता है कि वो हमारे साथ ही है। एक पल के लिए भी नहीं भूला पाए है उनको। उन्होंने कभी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की किंचित भी कोशिश नहीं की, पर वे शून्यता अथाह गहरी छाप छोड़ गये हमारे जीवन में, उन्होंने किसी की चिंता नहीं की, धन की और धनवान की परवाह नहीं की, उन्होंने जीवन भर ज्ञान बटोरा और ज्ञान ही बाँटा अपनी वाणी से और अपने आचरण से। वो जीती जागती प्रतिमूर्ति थे सरलता/ सहजता/ शांत/ विनम्रता और अध्यात्म की, उनका पूरा जीवन ही सहज था। उनके जीवन में ना व्यंग था ना कटाक्ष और ना कोई किसी से कैसी भी अपेक्षा और ना कोई द्वेष। उन्होंने किसी बात की कोई चिंता नहीं की, वस्तु व्यवस्था से कोई विरोध नहीं और ना कोई आकाँक्षा। बस जीवन भर वे बहते रहे। मैंने तो 31 साल तक चौबीसो घंटे उन्हें देखा है, साक्षी भाव और सहज जीवन की जीती जागती मिसाल थे । उन्होंने अपनी मीठी वाणी से, अपने भजनों के रस से सबको आनंदित किया था अब बस उनकी यादें ही रह गई है। पापा तो चले गये हैं, और हम भी कोई अमर होकर नहीं आये हैं देर सवेर जाने ही वाले हैं, चलो हम आज से अपनी जीत और हार की सफलता और असफलता की परिभाषा बदल लें और बहुत नही तो चार कदम उनके पदचिन्हों पर चलने की कोशिश कर आगे बढ़ने का कोई निर्णय कर लें तभी हम अपने जीवन को सार्थक कर पाएंगे। पापा जैसा बनना तो इस जीवन में असंभव है बस उनके आशीर्वाद से अपनी और दूसरों की जिंदगी को बेहतर बना सकें।

श्रद्धांवत
समता-राकेश गोदिका